के० वी० प्रणाली, अन्तर्राज्यीय तथा अन्तर्क्षेत्रीय लिंकों को समकालित करने जैसी नई प्रौद्योगिकी लागू किए जाने से पारेषण हानियों की मात्रा में कमी आएगी।

समुद्री लहरों के माध्यम से विद्युत उत्पादन

1859. डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :
श्री राम जेठमलानी :

क्या **विद्युत और गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में समुद्री लहरों से विद्युत उत्पन्न करने वाली पहली परियोजना तैयार हो चुकी है; यदि हां, तो यह परियोजना किस स्थान पर स्थापित की गई है, उस पर कितनी धनराशि खर्च हुई है तथा उससे कितना विद्युत उत्पादन किये जाने का प्रस्ताव है;

(ख) क्या यह सच है कि इस प्रकार से किये जाने वाले विद्युत उत्पादन में अन्य साधनों के माध्यम से किए जाने वाले विद्युत उत्पादन की अपेक्षा उत्पादन लागत कम लगती है; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में ब्योरा क्या है तथा समुद्री लहरों के माध्यम से बनाई जाने वाली विद्युत की उत्पादन लागत कितनी होगी ?

विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) जी हां। महासागर विकास विभाग द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास को 150 कि० वा० की लहर ऊर्जा युक्ति के विकास के लिए एक अनुसंधान और विकास परियोजना मंजूर की गई गई थी। प्रायरूप युक्ति की स्थापना तिवेन्द्रम तट से दूर विझींजाम में की गई और 21 अक्तूबर, 91 से इसका परीक्षण किया जा रहा है। अब तक इसमें लगभग 2.4 करोड़ रुपये का व्यय हुआ है।

(ख) और (ग) चूंकि यह एक प्रायोगिक संयंत्र है इसलिए इस स्थिति में इसकी लागत का ठीक-ठीक अनुसार नहीं लगाया जा सकता, जोकि किसी भी स्थिति में परम्परागत स्रोतों द्वारा विद्युत उत्पादन की तुलना में सस्ती नहीं हो सकती क्योंकि पारंपरिक ऊर्जा स्रोत एक प्रमाणिक प्रौद्योगिकी है और इसके सापेक्ष मल्य की मितव्ययता प्रमाणित है।

देश में रुग्ण विद्युत परियोजनाएं

1860. डा० अबरार अमहमद :
श्री जगदीश जामी :

क्या **विद्युत और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय कौन-कौन से विद्युत संयंत्र कार्य कर रहे हैं, उनकी उत्पादन क्षमता क्या है और विद्युत की खपत कितनी है तथा रुग्ण परियोजनाओं के नाम क्या हैं;

(ख) विद्युत संयंत्रों की स्थापना के लिए सरकार के पास विचाराधीन पड़ी नई योजनाओं का ब्यौरा क्या है, वे कब तक स्थापित कर दिये जायेंगे तथा किन-किन स्थानों पर स्थापित किए जायेंगे और उनकी उत्पादन क्षमता कितनी होगी; और

(ग) राजस्थान में विद्युत संयंत्र स्थापित करने के लिए कौन-कौन सी नई योजनाएं हैं और ऐसे संयंत्रों के क्या नाम हैं जिनके शीघ्र ही स्थापित किए जाने की सम्भावना है, ये कब तक स्थापित कर दिये जायेंगे और उन पर कितनी लागत आयेगी तथा उनकी उत्पादन क्षमता कितनी होगी ?

विद्युत और गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) से (ग) सूचना